Notes

क्रियाएँ जिन्हें विद्यालयों मे शिक्षकों के निर्देशन मे आयोजित किया जाता है।
जो की निम्नवत् है।

1- शारीरिक क्रियाएँ :- इसके अन्तर्गत शारीरिक प्रशिक्षण पी० टी०, व्यायाम, खेल कूद आदि क्रियाओं के साथ- साथ स्वास्थ्य परीक्षण रोगो से बचने के उपाय, शुद्धता एवं स्वच्छता का ध्यान, शुद्ध एवं पौष्टिक आहार आदि बातों को समाहित किया जाता है।

2. सामाजिक क्रियाएँ - विद्यालयों द्वारा बालकों के ~~माध्यम~~ माध्यम से सफाई अभियान, समाज सेवा, के अन्तर्गत स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियों का प्रचार, साक्षारता का प्रचार सामाजिक कुरीतियों एवं अन्धविश्वासों को दूर करने के लिए प्रचार अभियान आदि का संचालित करना सामाजिक क्रियाएँ के अन्तर्गत आता है।

सांस्कृतिक क्रियाएँ - इस क्रियाओं के अन्तर्गत नाटक, नृत्य, संगीत एवं अन्य मनोरंजनात्मक क्रियाएँ आदि सम्मिलित की जाती हैं।

सृजनात्मक क्रियाएँ - इस वर्ग के अन्तर्गत बालको की रचना ~~सम्बन्धी~~ सम्बन्धी प्रवृत्तियाँ जैसे- चित्रकारी, दस्तकारी

बनावनी, आदि वस्तुओ का निर्माण एवं नवीनता की खोज को विकसित किया जाता है।

राष्ट्रीय क्रिया कलाप :- इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय दिवसों एवं महान व्यक्तियों की जयन्तियों को मनाया जाता है। जैसे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन० सी० सी०, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन० एस० एस०) स्काउटिंग, देश एव समाज सेवा, एवं आन्तरिक सुरक्षा का सहयोग सद्भाव तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार आदि प्रवृत्तियाँ आती है।

विद्यालयों में पाठ्यक्रम की आवश्यकता :-

पाठ्य क्रम के द्वारा ही शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति की जाती है। नियोजित शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम आवश्यक है।

1- शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति :- शिक्षा की व्यवस्था पाठ्यक्रम पर आधारित होती है। जबतक पाठ्य क्रम का सही नियोजन

Notes

शिक्षा प्रक्रिया का व्यवस्थीकरण — पाठ्यक्रम एक ऐसा नीति-
जिससे यह स्पष्ट रूप से वर्णित किया जाता है शिक्षा किस स्तर तथा विद्यालयों में कौन-कौन सी क्रियाओं तथा कौन-कौन सी विषयों की शिक्षा दी जाती है।

ज्ञानोपार्जन :— ज्ञानोपार्जन करने में पाठ्यक्रम छात्रों की सहायता से करता है। यह सही है ज्ञान एक है। परन्तु मानव ने अपनी सुविधा के लिए उसके अनेक भाग कर देता है साहित्य, गणित, सामाजिक विज्ञान, इत्यादि

पाठ्य पुस्तको का निर्माण :— पाठ्यक्रम के आधार पर ही पाठ्य पुस्तकों की रचना की जाती है। पाठ्य पुस्तक में सभी सामग्री रखी जाती है जो किसी स्तर के पाठ्यक्रम के अनुकूल हो पाठ्यक्रम न होने पर पुस्तकों पर अनावश्यक बातें हो सकती है।

मूल्यांकन में सरलता :— किसी कक्षा स्तर पर पाठ्यक्रम के आधार पर ही उस कक्षा की छात्रों की योग्यता की मूल्यांकन सम्भव होता है। पाठ्यक्रम के अभाव में मूल्यांकन कठिन होता है।

Scanned with CamScanner

Notes

नागरिकों का निर्माण :- शिक्षा के उद्देश्य उपयोगी एवं आदर्श नागरिकों का निर्माण करना है आदर्श एवं उपयोगी नागरिक वही हैं जिनकी शक्तियाँ पूर्ण रूप से विकसित हों जो कानून का पालन करें, न्यायाल युक्त आचरण करें और जिनमें स्वतन्त्र एवं चिन्तन की शक्तियाँ विद्यमान हों

चारित्रिक विकास :- चारित्रिक विकास की दृष्टि से शिक्षा इस बात पर बल देती है बालकों के अन्दर मानवीय गुण जैसे- सत्य, सेवा, त्याग, परोपकार तथा सदभावना इत्यादि।

10- व्यक्तित्व का विकास :- बालकों के व्यक्तित्व का के दृष्टि से भी पाठ्यक्रम एक उपयोगी वस्तु बालक के नैसर्गिक गुणों तथा शक्तियों को समुचित दिशा मे विकसित करने के पाठ्यक्रम की व्यवस्था होती है।

पाठ्यक्रम का स्वरूप या प्रकृति -

पाठ्यक्रम का सम्बन्ध शिक्षा से है। शिक्षा के विभिन्न धारणाओं के अनुरूप ही पाठ्यक्रम की प्रकृति एवं स्वरूप का निर्धारण होता है। इसके बारे में दो प्रमुख धारणायें हैं।
पहली प्रचलित अथवा संकुचित धारणा है। इसकी अनुसार

Notes

परीक्षा उत्तीर्ण करना ही इसका एक मात्र उद्देश्य है। इस धारणा पर आधारित पाठ्य क्रम के विषयों पुस्तकी ज्ञान तक ही सीमित रहता है। इसके अर्थ में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सभी अनुभव आ सकते हैं। जिसको नयी पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से प्राप्त हो सकता है।

सामान्यतया पाठ्यक्रम को विद्यार्थी के उन समस्त अनुभवो के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसका दायित्व विद्यालय अपने ऊपर लेता है। इन विषय में पाठ्य क्रम का इस रूप में पाठ्यक्रम का तात्पर्य प्राय: उन क्रमित कार्यों से हैं। जो इन अनुभवो के पूर्व होने के साथ-साथ तथा इन अनुभवो के होने के बाद आयोजित किये जाते हैं।

ज्ञान के व्यक्तिकरण की विशेषताएँ

ज्ञान के व्यक्तिकरण में निम्नलि० विशेषताएँ होती है।

1- व्यापक प्रक्रिया

2. उपयोगी प्रक्रिया

3. परिवर्तन शील प्रक्रिया

4- वैज्ञानिक प्रक्रिया

5 कठिन प्रक्रिया

6. विकास की प्रक्रिया

7 आधुनिक प्रक्रिया

8. प्रभाव आधिगम की प्रक्रिया

9. सृजनात्मक प्रक्रिया

Scanned with CamScanner